प्रेस विज्ञप्ति

आज दिनांक 05 मार्च, 2017 को परम् आदरणीय श्री योगी आदित्यनाथ जी, मानीनय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के करकमलो द्वारा चिकित्सा विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में नव स्थापित 56 वेंन्टिलेटरों का लोकार्पण किया गया। जिसके अंतर्गत कार्डियोलॉजी–04, क्रिटिकल केयर–20, सी0टी0वी0एस0–04, स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग–02, बालशल्य विभाग–02, पल्मोनरी एण्ड क्रिटिकल केयर–16, टी0वी0यू0–08 नये वेंटिलेटर स्थापित किये गये है। इससे पुर्व में चिकित्सा विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में कुल 88 वेंटिलेटर उपलब्ध थे। चिकित्सा विश्वविद्यालय के वर्तमान कुलपति प्रो0 रवि कांत जी ने जब कार्यभार ग्रहण किया था उस वक्त चिकित्सा विश्वविद्यालय में कुल 20 वेंटिलेटर उपलब्ध थे, जो कि वर्तमान में बढ़कर अब 144 हो गये है जो कि जून 2017 तक 200 हो जायेंगी। मानीनय कुलपति जी का लक्ष्य है कि आने वाले समय में चिकित्सा विश्वविद्यालय के कुल बिस्तारों के सापेक्ष 40 प्रतिशत वेंटिलेटर उपलब्ध कराया जा सके।

कार्यक्रम में मानीनय मुख्यमंत्री जी ने अपने वक्तव्य में कहा कि मै मेदांता मेडिसिटी के चेयर मेन के साथ था, उनके संस्थान के ज्यादातर चिकित्सक इसी संस्थान के पढ़े है। इस संस्थान की अपनी प्रतिष्ठा है अपनी एक ख्याति है। पिछले सौ वर्षो से अधिक समय से जिस यात्रा के0जी0एम0यू0 ने प्रारम्भ किया है देश और दुनिया में केजीएमयू से निकले हुए चिकित्सक अपने अपने क्षेत्र में एक नई प्रतिष्ठा स्थापित किये है। मुझे प्रशसन्ता है कि देश की आवश्यकता के अनुरूप चिकित्सा शिक्षा के उन्नयन में यह चिकित्सा विश्वविद्यालय लगातार प्रयास कर रहा है। मैने देखा है कि कई सरकारी संस्थानो के डॉक्टर अपने संस्थान से तो पैसा ले ही रहा है उसके अतिरिक्त वो प्राइवेट प्रैक्टिस करके भी पैसा कमा रहा हैं इससे भी खतरनाक स्थिति यह है कि जब कोई जांच लिखी जाती है तो उसमे चिकित्सक का कमीशन जुड़ा रहता है। अगर इस देश के अंदर हम प्रत्येक व्यक्ति को चिकित्सा उपलब्ध कराना चाहते है तो हमे कम से कम पांच लाख नये चिकित्सक चाहिए। इसके लिए हम अपनी उर्जा को कैसे उपयोग करे यह विभिन्न सरकारों का दायित्व है। लेकिन उससे महत्वपूर्ण बात एक और है वह चिकित्सकों में आम मरीज के प्रति संवेदनशीलता। अगर आप सरकार से चाहते है कि सरकार आपको सहयोग दे तो आपको भी एक बात करनी होगी की ग्रामीण इलाकों में जाकर अपनी सेवायें दे। मानीनय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में हम 6 नये एम्स बनाने जा रहे हैं जिसमें के0जी0एम0यू0 को भी एम्स के स्तर पर उन्नयन किया जायेगा। हम अपने चिकित्सा स्वास्थ्य राज्यमंत्री और चिकित्सा शिक्षा मंत्री से अनुरोध किया की वह इस क्षेत्र में कार्य करें। प्रदेश में 25 नये मेडिकल कॉलेज खोलेंगे जायेंगे। केजीएमयू का सेटअप इतना बड़ा है आप लोगो को स्वास्थ्य एवं स्वचछता के प्रति जागरूक करने में बड़ा कार्य कर सकता है। हमारा प्रयास है कि प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेज को केजीएमयू के साथ क्यो नही सम्बंध हो सकते है इसके बारे हम विचार करेंगे। सभी कालेजो मे पाठ्यक्रम समान हो इसके बारे में हम विचार करेंगे। मै अपने स्वास्थ्य मंत्री और चिकित्सा शिक्षा मंत्री से अनुरोध करूंगा की वो बेहतर टीम बनाकर स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य करें। केजीएमयू को बनाने के लिए आपने जो टीम भावना का परिचय दिया है उसी भावना से इसे और आगे ले जाने का प्रयास करे। और मै केजीएमयू मे जो नये 56

वेंटिलेटर लगाये गये है उनके लिए मै केजीएमयू को शुभकामनायें देता हूं, इससे कितने मरीजो को स्वास्थ्य लाभ मिलेगा। साथ ही मै यह भी कहना चाहता हू की जिन उपकरणो की आप खरीद कर रहे है, उनको एक साल लिए नही अगले पांच साल चलाने के लिए खरीद करीये उनके मेंटेनेंस पर ध्यान दे।

कार्यक्रम में चिकित्सा शिक्ष मंत्री जी ने कहा कि वेंटिलेटर जब अवश्यकता पड़ती है तो उसका कोई विकल्प नही होता है। इस प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय का पूरे विश्व में नाम है। यहां से पढ़कर निकले हुए डॉक्टर पूरे विश्व में अपनी सेवाएं दे रहे है। हमे इस चिकित्सा विश्वविद्यालय में और लगातार सुधार करते रहना चाहिए। हमे चिकित्सा शिक्षा के साथ–साथ पेशेंट केयर पर भी ध्यान देना है और उसे सुदृढ़ करना है। चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र मे जो भी बाधाएं होंगी उसे हम माननीय मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में दूर करेंगे।

अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा शिक्षा श्रीमती अनीता भटनागर जैन ने कहा कि के0जी0एम0यू0 की अनेक उपलब्धियां है। इस उपलब्धियों मे आज और एक नई उपलब्धि 56 वेंटिलेटर के रूप मे जुड़ गई। इससे असंख्य मरीजो की जान बचाई जा सकेगी। हमारा प्रयासा है कि बढ़ती हुई अबादी के अनुपात मे हम चिकित्सीय सुविधाओं को भी बढ़ाया जा सके। हमने चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में आने वाले 15 वर्षो का ध्यान में रखकर अपना प्लान तैयार किया है। हमने 2016–17 वर्ष चुनावी वर्ष होने के बावजूद अपने बजट का 80 प्रतिशत उपयोग किया है। हम यूनानी और आयुर्वेदिक, तथा होमियोपैथी चिकित्सा शिक्षा के उपर ध्यान दे रहे है। प्रदेश में विभिन्न जगह हर्बल गार्डेन बनाने का कार्य किया जा रहा है। हम यूनानी और आयुर्वेदिक कालेजो मे पीजी सिटों को बढ़ाने के उपर भी ध्यान दे रहे है।

कार्यक्रम में चिकित्सा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रवि कांत जी ने उ0प्र0 में चिकित्सा शिक्षा में सुधार लाने हेतु एक प्रस्तुतीकरण प्रस्तुत किया। प्रो0 रवि कांत जी ने बताया कि चिकित्सा विश्वविद्यालय में पहले 40 विभाग थे जो अब बढ़कर 80 हो गये है। ट्रॉमा वन मे दो तलो का निर्माण हो चुका है, ट्रामा–2 को हम संचालित कर रहे है। सोशल आउट रीच प्रोग्राम के तहत हमने 1100 से ज्यादा मरीजो को उपचार मुहैया कराया है। हम जिस प्रकार मॉ अपनी लैग्वेज बच्चों को पढ़ाती है उसी प्रकार हम चिकित्सा विश्वविद्यालय में छात्रो को पढ़ाने की कोशिश्र कर रहे है। हम इंट्रिग्रेटेड टिचिंग पर जोर दे रहे है। हम चाहते है कि इस संस्थान को राष्ट्रीय महत्व का दर्जा दिया जाए। क्योकि यह संस्थान लगातर सौ से अधिक वर्षो से अपनी साख और अपनी उत्कृष्ठता के लिए जाना जाता है। हरियाणा , हिमांचल , वेस्टबंगाल आदि राज्यों में सारे मेडिकल कालेजो को एक युनिवर्सिटी से सम्बंध किया जा चुका है। हम चाहते है कि प्रदेश के सारे मेडिकल कॉलेजो को भी इस चिकित्सा विश्वविद्यालय से सम्बद्ध किया जाए।

कार्यक्रम में उपस्थित माननीय व्यक्तियों में, चिकित्सा स्वास्थ्य मंत्री श्री सिदार्थनाथ सिह जी, चिकित्सा शिक्षा मंत्र श्री आशुतोष टण्डन जी, चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री श्री संदीप कुमार, चिकित्सा स्वास्थ्य राज्य मंत्री श्री महेन्द्र सिंह, अपर मुख्य सचिव श्रीमती अनीता भट्नागर जैन, चिकित्सा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रवि कान्त, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, कुलसचिव

एवं विभिन्न प्रशासनिक अधिकारी, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, चिकित्सा शिक्षक सहित छात्र–छात्रायें उपस्थित रहे।